

धर्मरत्न बज्राचाय सुरत श्री महाबहार DH430

५५
वोयसिद्धिचयनमासिरुयं ०० य
नमासिद्धिचयनमासिरुयं ०० य
योनवमयाः ५५ नमो कर्मसमयस
गदांभूयमकुप्रनासिद्धिचयनमासिरुयं ०० य
दरासिद्धिचयनमासिरुयं ०० य

या॥ नमः स्यात् ॥ सर्वथा गानां न
नमः सर्वथा विमलधर्ममयः
स्य भक्त्यर्थम् ॥ ॐ विष्णवे नमः विष्णवे वि
मलधर्मगते वदन्ता लागाः ॥ वाति
गदन्ता वाता विष्णवे नमः सर्वथा स्यात्

धने ॥ ॐ शुद्धवर्गगगन विद्यानिती वा
गानिती वा विमलधर्मगते वदन्ता लागाः
हृदयगगन विमलधर्मगते वदन्ता लागाः
विमलधर्मगते वदन्ता लागाः
विमलधर्मगते वदन्ता लागाः
विमलधर्मगते वदन्ता लागाः

ननिश्चनेरमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र
ऊर्यवलिपूयनाकिभ ॥ सुवेराय ॥
मिनिश्चनेरमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र
मिनिश्चनेरमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र
मिनिश्चनेरमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र

नंसधेमत्वानां वसधेमत्वानां वसधेमत्वानां
यदुवत्वधेमत्वानां वसधेमत्वानां वसधेमत्वानां
प्ररहिनिश्चनेरमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र
दिविष्मत्वानां वसधेमत्वानां वसधेमत्वानां
विलिश्चनेरमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र

कृया॥ कृयावह॥ कृयावनि॥ वि॥ अथ
मि॥ नलम॥ कृ॥ म॥ ल॥ अ॥ नि॥ व॥ वि॥
प्रवि॥ वि॥ व॥ न॥ ध॥ न॥ लो॥ र॥ ग॥ व॥ नो॥ म॥ ला॥
वि॥ द्या॥ द॥ यो॥ न॥ क॥ र॥ म॥ म॥ स॥ य॥ नो॥ वा॥ न॥ स॥ व॥ स॥
ताना॥ कृ॥ स॥ म॥ न॥ गी॥ स॥ व॥ न॥ स॥ व॥ य॥ य॥ वि॥ ल॥ अ॥ ध॥

नी॥ र॥ कृ॥ न॥ र॥ व॥ न॥ र॥ स॥ न॥ र॥ न॥ र॥ स॥ म॥ स॥ य॥ नि॥ वा॥
न॥ स॥ व॥ स॥ व॥ न॥ कृ॥ लो॥ ध॥ न॥ वा॥ नि॥ ल॥ य॥ लो॥ न॥
म॥ न॥ ल॥ न॥ य॥ नि॥ मा॥ व॥ य॥ स॥ व॥ इ॥ श॥ व॥ य॥ इ॥ व॥ णि॥
न॥ र॥ व॥ णि॥ नी॥ र॥ व॥ वा॥ व॥ नो॥ स॥ व॥ इ॥ व॥ नि॥ वा॥ न॥
नि॥ वि॥ कृ॥ य॥ वा॥ हि॥ नी॥ कृ॥ न॥ र॥ स॥ न॥ र॥ स॥ न॥ र॥

पुत्ररूपयुयात्रिनी सत्रवत्रयमर्थनः

वैदवत्रायति ॥ धि ॥ यत्र ॥ यत्र ॥ यत्र ॥

वलाकिनेयशरस्यविगुद्धा ॥ सर्वयायवि ॥

॥ धि ॥ यत्र ॥ यत्र ॥ यत्र ॥ यत्र ॥ यत्र ॥

नःधनरसमरपुसरसमनरनवलर

वानयसर्वइष्टायलयः ॥ सांममः सयविः

वानयसर्वइष्टायलयः ॥ सांममः सयविः

॥ धनरसमरसमनरनवलरः ॥ वानय

सर्वइष्टायलयः ॥ सांममः सयविः

स्यः सर्वसत्त्वानां यक नगी वयधने यक

मलक्रिनिरुडं वलदांकुलडं यमविपुह
रुनरतिविपुह न मंगलविपुह ॥ य
विगुमखोल्वंगिनिरुवनरुकालगसित्व न
लासमगावलाकिरुवरु ॥ मयत
विगुह ॥ ममंगयशात्रिगावलासितः

विगुह ॥ गुह्ररुकालगसित्व न मयविपुह
लासमगावलाकिरुवरु ॥ मयत
विगुह ॥ ममंगयशात्रिगावलासितः
विगुह ॥ गुह्ररुकालगसित्व न मयविपुह
लासमगावलाकिरुवरु ॥ मयत
विगुह ॥ ममंगयशात्रिगावलासितः

क्षिः पिऊँ त्वा र म न र स म र स वि च न ॥ ल
न र न ग म व ल क न ग म न य म र स न व
नः स व स त्वा न न वः स सा ज न ग न ॥ र गः ६
व न र स म द द न ग न य त्वा स व ग स
म म न र द न व न व क्त्वा क न व क्

या ग व स न च ॥ व क्त्वा ल वि ण द्द च वि
र र ग व ल ग र ह वि ल म य न ॥ क न र स
यू व न ॥ क न र स व र द्द क ल न र व वः
न द व स म न न द व द क न अ न ग य
य रीः द व व ग न न रीः अ र प र नु माः

स्य निवाध सर्वे सत्त्वार्ताः स गानवज
वचनाम गानवजवपुषः च दृशमानसवस
त्वार्ताः सर्वे गानवदः सर्वे तयत्यः स
द्योदयवत्यः सद्योयसमः सद्यः सद्यः
धित्यः सर्वे दृश्यतोगत्यः सर्वे
क

लिकलहविवादः दृष्टव्यप्रदनिमिवा
समगलः यद्यपि लक्षणं दृष्टव्यप्रद
गी सर्वे यत्र नाकसना गविदा नली
लखलखलवत्यः सद्यः सद्यः सद्यः
सद्यः सर्वे सद्यः सद्यः सद्यः सद्यः

यत्रोवाह्यः सत्त्वसत्त्वानां च ॥ १० ॥ यं महावि
द्यासाधयमेव तं साधयमनां चानयवि
द्यां ॥ इत्यरसिद्धाख्ये इत्यरसिद्धाख्ये न च ॥ १०
यत्र लीरय न यथासां मम सत्त्वविश्याग
मरुः इत्यथा रूनि इत्यवाहिनी इत्यः

वलिः निष्ठुरसमयमनयालयमवेन
वलिः निष्ठुरसमयमनयालयमवेन
सत्त्वानां च सासायनयज्ञानय श्रेः सय
नित्यं ॥ १० ॥ यं महादानं न सय
वश्यसन्नसत्त्वोवनविश्यानि ॥ १० ॥

कालमंतलविगुद्वविगमविगमनल
सवमलविगमनविगमनलविगुद्व
मवमंतलविगमनविगमनलविगुद्व
विगुद्वमलविगमनविगमनलविगुद्व
विगुद्वमलविगमनविगमनलविगुद्व

प्रिये भस्वाहा ॥ सर्वे नथागता मद्वागिषिक
 वाहा ॥ सर्ववद्धतायि मत्वागिषिक वाहा ॥
 ॥ सर्वे नथागता ददय मुद्ध वाहा ॥ सर्वे न
 दता ॥ त्रिषिक वाहा ॥ सर्वे नथागता दद
 याधि प्रिये न ददय वाहा ॥ सर्वे नथागता

गहदयस मय स्वाहा ॥ ॐ दे ॐ देवमि
ॐ देववलोकि क स्वाहा ॥ ॐ देवमि
ग स्वाहा ॥ विष्णु नमस्कु ग स्वाहा ॥ महेश्वर
यदि नय जि गाय स्वाहा ॥ वरुधनाय वरु
यागि वन विरुया धिस्मि ग स्वाहा ॥ धृष्टना

वस्य स्वाहा ॥ विनदकाय स्वाहा ॥ विनयाः
काय स्वाहा ॥ विपवे नाय स्वाहा ॥ वसुमि
नाऊ नमस्कु नाय स्वाहा ॥ ऊमाय स्वाहा
ऊमय जि व नमस्कु नाय स्वाहा ॥ वनः
नाय स्वाहा ॥ मान नाय स्वाहा ॥ महा मान

नाय स्वाहा ॥ अस्व स्वाहा ॥ वायव स्वाहा ॥
नागा विनाहि ॥ स्वाहा ॥ दयवा ॥ स्वाहा ॥
नागा ॥ नागा ॥ स्वाहा ॥ अक्रवा ॥ स्वाहा ॥
नागा ॥ अक्रवा ॥ स्वाहा ॥ अक्रवा ॥ स्वाहा ॥
नागा ॥ अक्रवा ॥ स्वाहा ॥ अक्रवा ॥ स्वाहा ॥

स्वाहा ॥ अक्रवा ॥ स्वाहा ॥ अक्रवा ॥ स्वाहा ॥
किन ॥ अक्रवा ॥ स्वाहा ॥ अक्रवा ॥ स्वाहा ॥
स्वाहा ॥ अक्रवा ॥ स्वाहा ॥ अक्रवा ॥ स्वाहा ॥
स्वाहा ॥ अक्रवा ॥ स्वाहा ॥ अक्रवा ॥ स्वाहा ॥
स्वाहा ॥ अक्रवा ॥ स्वाहा ॥ अक्रवा ॥ स्वाहा ॥

स्वाहा॥सर्वोन्मा३त्य४स्वाहा॥सर्वेयमा
नत्य४स्वाहा॥सर्वव३त्य४स्वाहा॥स
र्वजनत्य४स्वाहा॥सर्वप्रद३त्य४स्वाहा॥
॥३०॥ध३स्वाहा॥३०॥ग३स्वाहा॥३०॥क३
स्वाहा॥३०॥स्वाहा॥३०॥स्वाहा॥३०॥

म३स्वाहा॥३०॥ह३स्वाहा॥३०॥सर्वग३स्वाहा॥३०॥
द३स्वाहा॥३०॥सर्वद३स्वाहा॥३०॥सर्वय३
स्वाहा॥३०॥सर्वस३स्वाहा॥३०॥सर्वज३
स्वाहा॥३०॥सर्वन३स्वाहा॥३०॥सर्वव३
स्वाहा॥३०॥सर्वप्र३स्वाहा॥३०॥सर्वद३
स्वाहा॥३०॥सर्वप३स्वाहा॥३०॥सर्वध३

पयकानि नाय स्वाहा॥ दिक्कालाया स्वा
हा॥ वज्रकालाया स्वाहा॥ ममंगकानाया स्वा
हा॥ मानिस्तदाय स्वाहा॥ परुरुदा
या स्वाहा॥ समंगस्तदाय स्वाहा॥ महामं
गस्तदाय स्वाहा॥ कालाया स्वाहा॥ मः

हामास्तदाय स्वाहा॥ यक्षिणीनां स्वाहा
॥ नाकसीनां स्वाहा॥ पृथ्वीनां स्वाहा॥ दिक्
नां स्वाहा॥ आकाशनां स्वाहा॥ सम
द्वामिनां स्वाहा॥ वननां स्वाहा॥
दिव्यवनां स्वाहा॥ दिव्यवनां

साहा॥विजायना साहा॥विजायना
नासाहा॥विजायना साहा॥विजायना
साहा॥विजायना साहा॥विजायना
साहा॥विजायना साहा॥विजायना
साहा॥विजायना साहा॥विजायना
साहा॥विजायना साहा॥विजायना

विजायना साहा॥विजायना साहा॥विजायना
विजायना साहा॥विजायना साहा॥विजायना
विजायना साहा॥विजायना साहा॥विजायना
विजायना साहा॥विजायना साहा॥विजायना
विजायना साहा॥विजायना साहा॥विजायना
विजायना साहा॥विजायना साहा॥विजायना

निखादा॥ निखादा॥ निखादा॥
धरखादा॥ सिधखादा॥ तीमावंधखादा॥
दा॥ संवे॥ क॥ रं॥ ड॥ य॥ र॥ खादा॥ डं॥ र॥ य॥
खादा॥ सं॥ र॥ य॥ र॥ खादा॥ वंध॥ र॥ खादा॥
म॥ र॥ य॥ र॥ खादा॥ म॥ र॥ य॥ र॥ खादा॥ म॥

निखादा॥ निखादा॥ निखादा॥
दा॥ ल॥ म॥ ध॥ य॥ निखादा॥ वि॥ ल॥ म॥ ध॥ निखादा॥
ना॥ व॥ द॥ च॥ व॥ य॥ र॥ य॥ व॥ य॥ खादा॥ व॥ द॥ च॥
खादा॥ न॥ य॥ र॥ य॥ खादा॥ यि॥ न॥ य॥ र॥ य॥ खादा॥
ना॥ वि॥ य॥ र॥ य॥ खादा॥ वि॥ य॥ र॥ य॥ खादा॥

॥ स्वाहा ॥ य वि स्वाहा ॥ त्र्यम्बक
॥ शिवं कविस्वाहा ॥ गङ्गा कविस्वाहा
॥ गङ्गा कविस्वाहा ॥ य वि स्वाहा
॥ यलवदन कविस्वाहा ॥ श्री कविस्वाहा
॥ श्री वदेन कविस्वाहा ॥ श्री दातृनी स्वाहा

श्री स्वाहा ॥ य वि स्वाहा ॥ त्र्यम्बक
॥ न सा वि स्वाहा ॥ स न व स व स व
॥ आ धि स त्व म ह म स त्व म ह म स त्व म ह
॥ म ग वी ना य स्वाहा ॥ म म म म म म म म
॥ म म म म म म म म म म म म म म म म

विश्वेश्वरि त्र्यम्बके नमः शिवाय ॥
सहस्रनाम्नाम्नः सिद्धातिशयविष्णुः ॥
तुङ्गायाम्बु नमस्तुभ्यं महाशयतयः ॥
उवाच त्वं यथाहासिं वासवा ॥ १ ॥
उवाच त्वं यथाहासिं वासवा ॥ २ ॥
उवाच त्वं यथाहासिं वासवा ॥ ३ ॥

२२

नयनियन्त्रि वासवाहा ॥ ४ ॥
नयनविद नरह नरगुह नरक्षव ॥ ५ ॥
रायनरमाहय रदोह रद दायय रयना ॥
दिमिहि द्विभययन्त्रु ॥ ६ ॥
नमस्तुभ्यं महा ॥
नमस्तुभ्यं महा ॥

मि न वि ले महा हाम सभा गच्छन्ति मि न
वयं बाल वन यम वाम मरु लो ह न दि
ता यः प्र लो द दाय य ह्या ह ग ड न स ह्य व न
महा वा य य म य ॥ ॐ वा ४ वा ४ वा ४ वा ४ वा ४
वा ४ वा ४ वा ४ वा ४ वा ४ वा ४ वा ४ वा ४ वा ४ वा ४

य नी वा चं स य नी वः स च स च स त्व ना
क स च न य म वा गा ४ स चो वि द्या रि व क
महा वजः क व च न ड म दि गे ४ स च
न य म वा कः क द द या वि वि न व जे ला
हा ॥ ॥ आ यो महा य गि स य मः ॥

हविशा लाह दध्या नमो ममाद
उरमं गलं शवतु सद्यः ॥ ॥

यसाद्य ममं गलं कटियस्य ममाद
सावा मायादी नं कयस्य पियदसाद
अदनी किं कदा दानं यनय वेस
मदादसावे साय ब्रह्मा मनुवंत
वाधिसलम मद्य ॥ ॥

वहु॥ ॥ संखग ६ न १ यो वयु कु जो य
रु रु यो य व न न नो ॥ ॥ ग र ॥

धमरल बज्राचविं सुरत श्री महाविहार DH 430